डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 83 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 01 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

दुकान में आग लगी

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के कालीदास मार्ग स्थित एक जनरल स्टोर्स दुकान में आग लग गई। जिसमें हजारों रूपए की सामग्री का नुकसान बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कालीदास मार्ग स्थित लिबर्टी स्टोर्स में से धुंआ निकलते हुए देखा गया। रविवार होने के कारण दुकान बंद थी। लोगों ने दुकान मालिक को खबर की। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। आगजनी का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। वह तो गनीमत रही कि जल्द ही फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। मामले में पुलिस ने आगजनी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

नव वर्ष के शुभ अवसर पर जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

********** शुभेच्छु **********
साजन-सजनी गारमेंट्स
कालीदास मार्ग, मंदसौर
उच्च क्वालिटी के रेडीमेड कपड़े के विक्रेता
लेडिस, जेन्ट्स एवं किड्स वियर की विशाल श्रृंखला

डा. यादव के मंत्रिमंडल में नामदार नहीं, केवल कामदारों की जरूरत...

संदेश साफ है, जिसमें अब संदेह की कोई गुंजाइश नहीं। मध्यप्रदेश में अपने प्रभावी सियासी सफर के दीर्घकालीन स्वरूप की सुनिश्चितता के लिए भारतीय जनता पार्टी परंपरागत आग्रह और टोटकों का अतिक्रमण कर चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा इसकी एक और पुख्ता मिसाल है। इस प्रक्रिया ने बता दिया है कि मंत्रिमंडल में नाम की बजाय काम पर ही जोर रहेगा। 'नाम' की परिधि में यदि दिग्गज मंत्री हैं तो दमदार विभाग भी इसी श्रेणी में ला दिए गए हैं।

प्रकाश भटनागर

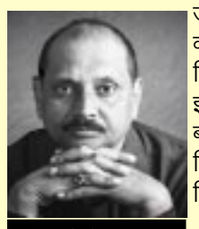

कम से कम भाजपा के स्तर पर फिलहाल वह परिपाटी रोक दी गई है, जिसमें भारी-भरकम चेहरों को स्वाभाविक रूप से शक्तिशाली महकमों का हकदार माना जाता रहा है। यहां किसी का नाम लेना उचित नहीं होगा। लेकिन, जिम्मेदारी का वितरण यही कहा रहा है कि कई नामदारों को अब स्वयं को कामदार साबित करने की चुनौती से जूझना होगा।

यूं तो ऐसा होने की शुरुआत उसी समय हो गई थी, जब केंद्रीय राजनीति के दैदीप्यमान चेहरों की बजाय राज्य स्तर के नेताओं, जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। अब महकमों के आवंटन में भी यह दिख रहा है कि सरकार का फोकस कद के अनुरूप पद (विभाग) देने की बजाय इस बात पर है कि किस तरह, किन लोगों से उन क्षेत्रों में भी काम लिया जा सकता है, जो प्राय: 'शाकाहारी' प्रकृति के माने जाते रहे हैं। लेकिन, जिनमें अपने दीर्घ राजनीतिक अनुभव का लाभ लेकर उल्लेखनीय तथा सरकार सहित प्रदेश के हित में और भी अधिक उपलब्धि हासिल की जा सकती हैं। डॉ. मोहन यादव के लिए बड़ा जोखिम है। गृह विभाग उनके पास ही रहेगा। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है कि बेहद लोकप्रिय और कालांतर में चुनौती-विहीन साबित हुए शिवराज सिंह चौहान तक इस महकमे को संभालने से बचते रहे। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने यह विभाग खुद ही संभाला है और उनके इस निर्णय को राज्य में कठोर कानून-व्यवस्था से सीधे जोड़कर देखा जाता है। अनेक अपवादों के बावजूद मध्यप्रदेश ने शांति के टापू वाली अपनी छवि को कायम तो रखा है। लेकिन, इसमें सुधार की गुंजाइशों को आगे बढ़ाने के लिहाज से गृह विभाग का मुख्यमंत्री के पास ही रहना बड़ा संकेत माना जा रहा है। यूं नहीं कि शेष मंत्रियों में से किसी के भी पास इस जिम्मेदारी को संभालने का माद्दा नहीं है। लेकिन, यह जरूर है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री पद के रूप में डॉ. यादव पर जो विश्वास जताया है, उसे कायम रखने के लिए ऐसा किया जाना बहुत जरूरी हो गया था।

निश्चित ही राजनीति और काज-नीति, दोनों ही अनंत अनिश्चितताओं तथा संभावनाओं वाले खेल हैं। इसलिए कोई हैरत नहीं होना .... **शेष पेज 4 पर**

दो मंत्रियों के पर कतरकर जगदीश को बनाया पावर फूल

पहले उपमुख्यमंत्री पद से बढ़ा रुतबा, वित्त विभाग देकर कायम रखा कद

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र के मल्हारगढ़ विधानसभा से विधायक जगदीश देवड़ा किस्मत की ट्रेन में सवार है। शिवराज सरकार में भी श्री देवड़ा वित्तमंत्री थे। लेकिन, मोहन यादव सरकार में उन्हें डिप्टी सीएम का पद देकर नवाजा गया। इससे रुतबा तो बढ़ा ही माना जा रहा था कि मंत्री पद से देवड़ा वंचित रह जाएंगे। डिप्टी सीएम बनने के बाद देवड़ा का रुतबा जरुर बढ़ेगा, लेकिन कद कम हो जाएगा। लेकिन, वित्त विभाग देकर देवड़ा का कद भी कायम रखा गया। यहां संसदीय क्षेत्र के दो पूर्व मंत्रियो को एकतरफ रखा गया।

वहीं प्रदेश के मंत्री गोविंदसिंह राजपूत और विजय शाह जैसे दिग्गज नेताओं के पर काटकर जगदीश देवड़ा का कद कायम रखा गया।

बता दें कि शिवराज सरकार में मंत्री रहे जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल को उप मुख्यमंत्री बनाकर पहले जातिगत समीकरण को साधा गया और अब विभाग के बंटवारे में भी दोनों का कद कम नहीं किया गया। देवड़ा को संघ का करीबी भी माना जाता है, उन्हें वित्त, वाणिज्य कर, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुक्ल को स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे बड़े विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले कार्यकाल में दोनों ही मंत्री किसी भी कॉन्ट्रोवर्सी में नहीं रहे।

जानकारी के अनुसार ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक गोविंद सिंह राजपूत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री बनाए गए हैं। शिवराज सरकार में उनके पास दो बड़े विभाग परिवहन व राजस्व थे। इसी तरह 8 बार के विधायक विजय शाह के पास पिछले कार्यकाल में वन जैसा बड़ा महकमा था। लेकिन, इस बार उन्हें जनजातीय कार्य और लोक परिसम्पत्ति एवं प्रबंधन विभाग दिया गया है। विजय शाह पिछले कार्यकाल में कई मौकों पर विवाद में भी रहे। हाल ही में चिकन पार्टी को लेकर वे विवाद में आए थे। इधर चार बार के विधायक विश्वास सारंग का विभाग भले ही बदल दिया गया है, लेकिन उनके कद के हिसाब से विभाग दिया गया है। उन्हें सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिवराज सरकार में वे चिकित्सा शिक्षा व गैस राहत मंत्री थे।

उत्तर प्रदेश की तरह हुआ काम...

उत्तर प्रदेश की तरह मध्य प्रदेश में भी दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला लागू करने के बाद अब मंत्रियों को विभाग बंटवारे में भी यूपी का फॉर्मूला नजर आया है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तर्ज पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गृह विभाग अपने पास रखा है। यूपी में क्राइम कंट्रोल की वजह भी इसे ही माना जाता है।

यशपाल जीत भी जाते तब भी भाजपा के नए पैटर्न में मंत्री नहीं बन पाते..!

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आज सोमवार को अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष का पहला दिन है। इसलिए सबसे पहले तो सुधी पाठकों को इस अंग्रेजी नए साल की शुरुआत की बधाई और शुभकामनाएं। नए साल के आते-आते प्रदेश में विधानसभा चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। भाजपा को उम्मीद से ज्यादा बहुमत मिला है। मुख्यमंत्री के पद पर निहायत ही अप्रत्याशित चेहरे डॉ. मोहन यादव को आसीन कराया गया है तो केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जिन्हें विधानसभा चुनाव लड़ाया गया और जिनके मुख्यमंत्री बनने के बहुत कयास चल रहे थे। उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल तो किया गया है। किंतु उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया गया।

यदि मुख्यमंत्री पद की संभावना से नेताओं को उपमुख्यमंत्री भी नहीं बनाया गया। जो दो विधायक जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। वह जातिगत समीकरणों को साधने के लिए इस पद पर बिठाए गए हैं। ब्राह्मण विधायक राजेंद्र शुक्ला और एससी कोटे से जगदीश देवड़ा उपमुख्यमंत्री बनाए गए। यही नहीं अपेक्षाकृत इन्हें पूर्व केंद्रीय मंत्रियों से अधिक महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं। यानी विभागों के बंटवारे में भी भाजपा के श्रेष्ठ नेतृत्व ने दिग्गजों को दमदार विभाग ना देते हुए उन्हें उनकी सीमाओं में ही बांधे रखा है। नरेंद्रसिंह तोमर को विधानसभा .... **शेष पेज 4 पर**

पैर फिसलने कुएं में गिरा युवक, मौत

मनासा, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रामपुरा थाना क्षेत्र के गांव हरिपुरा में रविवार को एक हादसा हो गया। यहां कुएं में डूबने से एक 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना रविवार सुबह की है।

जानकारी के अनुसार मृतक शहजाद पिता सोहराब मंसूरी उम्र 25 वर्ष निवासी अमरावती महाराष्ट्र से मजदूरी के लिए अपने कुछ साथियों के साथ यहां आया हुआ था। वह यहां कुछ दिनों से संतरे के बगीचे में रोजाना संतरे तोड़ने का काम कर रहा था। रविवार सुबह जब वह शौच के लिए जाने के दौरान कुएं पर पानी भरने के लिए गया। इसी दौरान काई पर उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरा। इस हादसे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि काफी देर तक जब युवक वापस नहीं लौटा तो उसके साथियों ने उसकी खोज भी शुरू की। जब कुएं में देखा तो युवक के कुएं में गिरे होने की शंका हुई। इस पर पहले ग्रामीणों और बाद में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर रामपुरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची ओर कुएं से युवक के शव को निकाला गया। जिसे पंचनामा बनाकर रामपुरा के शासकीय चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नए साल में बिजली दे सकती है झटका, दर बढ़ाने का प्रस्ताव

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नए कैलेंण्डर साल 2024 में बिजली की दरें झटका दे सकती हैं। बिजली कंपनी ने 3.86 प्रतिशत दर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इस पर मप्र विद्युत नियामक आयोग ने 22 जनवरी तक सुझाव-आपत्तियां मांगी हैं। बिजली कंपनी की याचिका के अनुसार 2024-25 के टैरिफ में 151 से 300 यूनिट की स्लैब खत्म कर 151 यूनिट की स्लैब को उच्चतम किया जाएगा। अभी 151 से 300 यूनिट तक खपत पर 5.23 रुपए प्रति यूनिट वसूली होती है। 300 यूनिट के बाद प्रति यूनिट 6.61 रुपए लगते हैं। अब 151 यूनिट ही उच्चतम स्लैब होगा। इससे उपभोक्ताओं की जेब खाली होगी।

बताया गया है कि नए टैरिफ में टाइम ऑफ द डे पद्धति से बिल का प्रावधान है। यानी, दिन के पीक ऑवर्स, जिसमें सबसे ज्यादा बिजली खपत होती है, उस समय दर ज्यादा होगी। कम खपत वाले समय में दर कम रहेगी। ये प्रावधान टैरिफ में उपभोक्ताओं को उलझाकर ज्यादा शुल्क वसूली का है। वहीं, नए टैरिफ में कृषि की तय एलवी 5.1, 5.2 व 5.4 श्रेणी को मिलाकर एक श्रेणी बनाई है। ये कृषि, नर्सरी, कृषि से जुड़े उद्यम वाली श्रेणी थी। अब सभी का बिल एक ही श्रेणी में बनेगा। एक श्रेणी कर जो उच्चतम राशि थी, उसे लागू किया जाएगा।

केंद्रीय नागरिक उडयन व इस्पात मंत्री श्रीमंत महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से नई दिल्ली उनके निवास पर मुलाकात कर चर्चा की

देश के ऊर्जावान केंद्रीय मंत्री, मेरे आदर्श एवं मार्ग दर्शक, श्रीमंत महाराज
श्री ज्योतिरादित्यजी सिंधिया
को जन्मदिन पर
हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY Birthday
विजय गुर्जर
✻ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा किसान मोर्चा मप्र
✻ पूर्व पार्षद, नपा, मंदसौर
2024
************ शुभेच्छु ************
नितिन गौड़, अश्विन तिवारी, उज्वल सक्सेना, नरेंद्र भावसार, गोपाल देवड़ा, दुर्गेश पंवार, मनीष शर्मा, राजेंद्र मेहरा, मनीष भावसार, अमित मारवाड़ी, राम बिरला, कमलेश कच्छावा, राकेश चौधरी, गणेश बंधवार, राहुल सोनी, दीपक दीक्षित, सुरेश बैरागी, दिनेश बैरागी,बलवंत ग्वाला, रितेश तिवारी, रोहित श्रीवास्तव, धर्मेंद्र भाई, अनिल शर्मा, हरीश राठौर, विनोद खटीक, ईश्वरलाल सुथार, विष्णु भाई, जय राठौर, विजय राठौड़ एवं विजय गुर्जर मित्र मंडल मंदसौर

नव वर्ष के शुभ मौके पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
----------बधाईकर्ता----------
झंवर इंटरप्राईजेस
कालीदास मार्ग, मन्दसौर
विनस कम्प्युटर्स
कालाखेत, गौतम नगर, मन्दसौर
जगदीश टी डिपो
कालीदास मार्ग, मन्दसौर
झंवर मेडिकल
नयापुरा रोड़, मंदसौर

Happy Birthday Happy Birthday Happy Birthday Happy Birthday

देश के उर्जावान केंद्रीय मंत्री, मेरे आदर्श एवं मार्ग दर्शक, श्रीमंत महाराज
श्री ज्योतिरादित्यजी सिंधिया
को जन्मदिन पर
HAPPY BIRTHDAY
HAPPY Birthday
हार्दिक शुभकामनाएं

संदीपसिंह राठौड़
विशेष आमंत्रित सदस्य
प्रदेश कार्यकारिणी, भाजयुमो

विचार-मंथन

नकली दवाओं की आपूर्ति चिंताजनक

दिल्ली के कुछ अस्पतालों में नकली दवाओं की आपूर्ति की जैसी खबरें आई हैं, वे बताती हैं कि आए दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने काम को बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित करने के सरकारी दावों की हकीकत क्या है। हालत यह है कि पिछले कुछ दिनों के दौरान ही दिल्ली के अस्पतालों में कई ऐसी दवाओं की आपूर्ति के मामले पकड़ में आए, जिनका सेवन करने के बाद किसी मरीज के शरीर पर कैसा दुष्प्रभाव होगा, कहा नहीं जा सकता। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि किसी मिलावटी या नकली दवा के असर से मौत तक की आशंका पैदा हो सकती है। गौरतलब है कि बुधवार को एक और दवा के नकली पाए जाने की बात सामने आई। कुछ ही दिन पहले दिल्ली के कुछ अस्पतालों में कई नकली दवाओं की आपूर्ति के मामले पाए जाने की घटना ने गंभीर चिंता पैदा की है। इसके बावजूद अब फिर से अस्पतालों में एक और दवा पर उठा सवाल बताता है कि यहां सरकार की नाक के नीचे स्वास्थ्य के मसले पर किस तरह का खिलवाड़ चल रहा है। हाल ही में दिल्ली के उपराज्यपाल ने खराब गुणवत्ता वाली कुछ दवाओं के मामले में सीबीआइ जांच की सिफारिश की थी।दरअसल, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाएं दिए जाने के मामले में कुछ दिनों पहले विशेष निगरानी सचिव ने स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखा था। इस खत में साफ कहा गया कि दिल्ली ड्रग्स टेस्टिंग लेबोरेटरी और अन्य सरकारी मान्यता प्राप्त निजी जांच घरों की रपट से पता चला है कि कई कंपनियों की दवाएं गुणवत्ता के मानकों के मुताबिक नहीं हैं। संदिग्ध पाई गई दवाओं में मिर्गी और दौरे, पेट में अतिरिक्त एसिड, फेफड़ों में जानलेवा सूजन को ठीक करने वाले स्टेरायड के अलावा जोड़ों और शरीर में सूजन को ठीक करने वाली दवाएं शामिल हैं। मामले के खुलासे के बाद दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों में प्रयोगशाला जांच में नाकाम रहीं दवाओं को जब्त कर मरीजों के इस्तेमाल के लिए न देने के आदेश दिए थे। सवाल है कि इतने दिनों से स्वास्थ्य महकमे के भीतर दवाओं की जांच के लिए कैसा तंत्र चल रहा था जिसके रहते नकली दवा का कारोबार करने वालों को अपनी मंशा को अंजाम देने में कोई बाधा महसूस नहीं हुई।जिन अस्पतालों में अलग-अलग बीमारियों की स्थिति में दी जाने वाली दवाओं के नकली होने का मामला सामने आया है, उनमें लाखों लोग इस उम्मीद में अपना इलाज कराने जाते हैं कि वहां उनका जीवन बचाने या बीमारी ठीक करने के उपाय मौजूद हैं। मगर कई बीमारियों के मरीजों को वैसी दवाएं दी जाती रहीं, जो अब जाकर निर्धारित मानकों पर असफल पाई गईं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने लोगों के शरीर पर उन दवाओं ने कैसा दीर्घकालिक असर डाला होगा। जब भी जनहित से जुड़ा कोई सवाल उठता है तो दिल्ली सरकार यहां की जनता को गुणवत्ता से लैस अच्छी और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह मुहैया कराने का हवाला देती है। लेकिन अगर बड़े और महत्त्वपूर्ण माने जाने वाले अस्पतालों में भी नकली दवाओं की आपूर्ति की जाती रही तो बाकी जगहों की स्थिति के बारे में अंदाजा ही लगाया जा सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि एक दवा का दुष्प्रभाव किसी मरीज के शरीर में असाध्य रोग या जटिलताएं पैदा करने से लेकर उसके लिए मौत का कारण भी बन सकता है। इसलिए सरकारी अस्पतालों या कहीं भी नकली या मिलावटी दवा के कारोबार को रोकने के मकसद से सभी स्तरों पर सख्त कार्रवाई के लिए एक ठोस तंत्र और कानूनी सजा के प्रावधान लागू किए जाने चाहिए।

कितने सार्थक होंगे नए आपराधिक क़ानून ?

रजनीश कपूर

इन नये क़ानूनों में भी 90 प्रतिशत क़ानून औपनिवेशिक काल के ही हैं जिनका केवल अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद ही किया गया है। यानी कि जो बात अंग्रेजों ने नहीं की वो आज की मौजूदा सरकार द्वारा की जा रही है।कपिल सिब्बल ने इन बिलों का विरोध करते हुए इन्हें मानवाधिकार विरोधी बताया।देश के पूर्व एएसजी अमन लेखी कहते हैं कि इन नए क़ानूनों को बदलने की कोई ज़रूरत नहीं थी। ञ सही है कि ये क़ानून ब्रिटिश सरकार द्वारा लाए ज़रूर गये थे परंतु समय के चलते इन्हीं क़ानूनों को हमारे द्वारा ही विकसित किया गया था। देश की संसद ने भारतीय दंड संहिता, 1860, आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम, 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को बदल कर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का नाम दिया है जहां इन नए क़ानूनों में कई अहम प्रावधान लाए गए हैं। वहीं इनकी ख़ामियों को लेकर विवाद भी पैदा हो रहे हैं। देश भर में हर दल में मौजूद बड़े-बड़े वकील या क़ानून के विशेषज्ञ एक ओर इसका समर्थन कर रहे हैं वहीं इन क़ानूनों को लागू करने में आने वाली दिक़्क़तों की बात भी कर रहे हैं। जब भी कभी कोई नया क़ानून लाया जाता है या इस से संबंधित कोई विधेयक पास होता है तो आम जनता में यह उम्मीद जगती है कि स्थिति पहले से बेहतर होगी और उन्हें न्याय मिलने में देरी नहीं होगी। ऐसा मानना है देश के पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आज़ाद का। एक टीवी चैनल पर बोलते हुए उन्होंने मोदी सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि, यह एक अच्छी शुरुआत है, इसमें एक अहम बात है कि जिस तरह सूचना प्रौद्योगिकी को इन क़ानूनों में प्रमुखता दी गई है, यह न्याय प्रणाली में तेज़ी लाने की ओर एक अच्छी पहल है। परंतु देश में लंबित पड़े 4.5 करोड़ मुक़दमों को पहले तेज़ी से निपटना होगा तभी नये क़ानूनों को लागू किया जा सकेगा क्योंकि नये क़ानूनों की धाराओं में भी परिवर्तन किया गया है। जो धारा पहले लागू होती थी, नये क़ानूनों में वह धारा बदल गई है और उससे संबंधित सज़ा में भी बदलाव आया है। इसके साथ ही श्री आज़ाद का मानना है कि, जब भी कभी आपराधिक न्यायिक व्यवस्था में सुधार लाए जाते हैं तो यह स्वाभाविक है कि इस प्रणाली के हर अंग का भी सुधार हो। जैसे कि पुलिस, जेल, अभियोजन और कोर्ट। जब तक इस तंत्र के हर अंग का सुधार नहीं होगा तब तक आपराधिक न्यायिक व्यवस्था में सुधार का क्या फ़ायदा? मिसाल के तौर पर पुलिस सुधार की सिफ़ारिशें 1978 से लंबित पड़ी हैं। जिस तरह मौजूदा न्यायिक व्यवस्था में पुलिस हिरासत में दिया गया कोई भी बयान कोर्ट में वैध नहीं माना जाता, उससे लोगों का पुलिस पर विश्वास नहीं बैठता। उसी तरह देश की जेलों में भी कई तरह के सुधार होने अनिवार्य हैं। इसलिए जब तक आपराधिक न्यायिक व्यवस्था के सभी अंगों में सुधार नहीं होंगे तब तक इन बदलावों से कुछ विशेष फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। देश के नामी वकील और राज्य सभा सांसद कपिल सिब्बल ने इन नये क़ानूनों को पास किए जाने के तरीक़े पर सवाल उठाए हैं। वे कहते हैं कि, जो संवैधानिक संस्थाएँ हैं उन्हें इन बिलों को इस तरह से पास नहीं करना चाहिए था। जहां लोक सभा में से 100 सांसदों को और राज्य सभा में से 46 सांसदों को निलंबित कर, बिना किसी चर्चा के इन विधेयकों को पारित किया है वह नियमों के विरुद्ध है। इन विधेयकों को पास करने से पहले जो कमेटी बनाई गई वहाँ पर क़ानून जानने वाले दिग्गजों की राय नहीं ली गई। जो बिल इस तरह से आम जनता के संविधानिक हक़ों के ख़िलाफ़ पास किए जाते हैं वो असंवैधानिक कहलाते हैं। सिब्बल आगे कहते है कि, इन नये क़ानूनों में 90 प्रतिशत क़ानून औपनिवेशिक काल के ही हैं जिनका केवल अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद ही किया गया है। यानी कि जो बात अंग्रेजों ने नहीं की वो आज की मौजूदा सरकार द्वारा की जा रही है। कपिल सिब्बल ने इन बिलों का विरोध करते हुए इन्हें मानवाधिकार विरोधी बताया। देश के पूर्व एएसजी अमन लेखी कहते हैं कि इन नए क़ानूनों को बदलने की कोई ज़रूरत नहीं थी। इनमें बदलाव कर सरकार ने केवल आम जनता की भावनाओं को जागृत किया है। यह बात सही है कि ये क़ानून ब्रिटिश सरकार द्वारा लाए ज़रूर गये थे परंतु समय के चलते इन्हीं क़ानूनों को हमारे द्वारा ही विकसित किया गया था। इनमें एक आधुनिक न्यायशास्त्र है जो औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर है और आज के मौजूदा लोकतांत्रिक दौर का अभिन्न हिस्सा है। जब भी किसी राजनैतिक बयान की बात होती है तो वहाँ तो कुछ भी कहा जा सकता है। परंतु जब किसी क़ानून के बारे में बात की जाए तो बहुत सोच समझ कर, सही ढंग से और क़ानून के दायरे में रह कर ही की जानी चाहिए। लेखी के अनुसार, यह बदलाव आने वाली कई सदियों के लिए किए जाएँगे इसलिए इनको यदि बदलना ही है तो इनके हर पहलू पर काफ़ी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। लेखी आगे कहते हैं कि, जिस तरह इन विधेयकों को पास किया गया है वह अलोकतांत्रिक है। इसमें सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही दोषी हैं। क्योंकि जिस तरह की हरकत विपक्षी नेताओं ने की वह निलंबन के ही हक़दार थे। उधर संसद से विपक्षी नेताओं के निलंबन के चलते सरकार द्वारा ऐसे विधेयक को पास करना भी गलत था। देश में पुलिस सुधार के सुझावों को विधि आयोग की कई रिपोर्टों में दर्ज किया गया है। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐसे फ़ैसले भी हैं जहां पुलिस सुधार की बात की गई है। इन पुलिस सुधारों में एक अहम बात है कि अभियोजन और जांच को एक दूसरे से अलग किया जाए। परंतु इन नये विधेयकों में ऐसा कुछ भी नहीं है। यदि इन विधेयकों में ऐसे कुछ अहम बदलाव लाए गए होते तो यह पुराने क़ानूनों से बेहतर होते। ब्रिटिश काल के कई ऐसे क़ानून हैं जहां गंभीर कृत्यों में मामूली सी सज़ा का प्रावधान है। वहीं इसके उलट कुछ कम गंभीर अपराधों में कड़ी से कड़ी सज़ा का प्रावधान है। इन पहलुओं को भी नहीं देखा गया है और न ही इनमें समावेश किया गया है। इन विधेयकों में एक अच्छी बात यह है कि 'कम्युनिटी सर्विस' को भी सज़ा का दर्जा दिया गया है। पश्चिम देशों की तरह कुछ अपराधियों को उनके अपराध का एहसास दिलाने में यह एक अच्छी पहल साबित होगी। यह नये क़ानून कितने उपयोगी सिद्ध होंगे।

विदाई और बदलाव खुशहाली का द्योतक...

विप्रम

कहा जाता है कि जो आया है वह जाएगा ही। पुराना जाएगा तो नया आएगा। सृष्टि का यह अटल नियम है। नए के लिए पुराने को स्थान त्यागना पड़ता है। इस स्थान परिवर्तन को हमें सहजता से लेना चाहिए। सज्जनता इसी में हैं। विनम्रता सीखते हैं हम। जाते को हाथ जोड़ कर और आगत के आगे झुक कर प्रणाम करें। यही योग है, धर्म है और भक्ति भी। सबको मिला लें तो संस्कृति भी। गुजरे साल में समझदार लोग अपने पूरे साल में किए कामों का विश्लेषण करते हैं। अपनी अच्छाइयां-बुराइयां और गलतियों का भी आकलन करते हैं, ताकि आने वाले साल से अपने में सुधार ला सकें। कहते हैं, आप स्वयं में तब्दीलियां लाते हैं तो अपने आप सगे-संबंधियों में बदलाव आने लगता है। परिवार में कहा भी जाता है- यह तो अपने बाबा से सीख कर बाबा बन गया है! या यह भी सुनने में आता है कि अरे, ये तो दादी हो रही है। देखो तो इसे आज पूरी दादी अम्मा हो गई है मुन्नी। साल-दर-साल ऐसे ही बदलाव आते रहते हैं, जो प्रगति का सूचक है। खुशहाली का द्योतक है। वैसे भी ठहरा हुआ जीवन किस काम का? कहते हैं ठहरे हुए पानी में तो अक्सर कीड़े-मकोड़े पनपते देखे जाते हैं। ऐसा पानी औरों को पानी-पानी भी कर दिया करता है। वर्ष के अंतिम दिन देश-विदेश में जगह-जगह गली मोहल्लों में विदाई समारोह बड़े ही जोर-शोर से मनाए जाते हैं। मानो आपस में खैर मनाई जा रही है। दुहाई गाई जा रही हो। कभी हंसी-खुशी से तो कभी रो-धो कर कि आगे सब सकुशल रहे। जो हम ग्रहण नहीं कर पाए, सीख नहीं सके। अब आगे सीख लेंगे। सब सकुशल होगा।चूंकि समय रुकता नहीं। जैसा चाहेंगे, वैसे कट जाएगा। कट जाता है और काट देता है। हमें समय से सीखना चाहिए। समय पर सीख जाना चाहिए। समय क्या कुछ दिखा देता है। कह नहीं सकते। वैसे कहा जाता है कि जो किताबें-पुस्तकें सिखा नहीं पातीं, उसे वक्त सिखाया करता है। वक्त ही बुरे वक्त से लड़ना सिखाता है। सीधे-सीधे कहें तो गलत नहीं होगा, अतिशयोक्ति भी नहीं होगी कि समय एक गुरु ही नहीं, महागुरु भी होता है। इसका पढ़ा कभी भविष्य में पछताता नहीं। बस उसे यह गांठ बांध कर चलना चाहिए कि जो गलती हो चुकी है, उसे दोहराएं नहीं, उसकी पुनरावृत्ति न होने दें। कभी सुना है कि पशु-पक्षी, कीट-पतंगे, आदि कहीं पढ़ने जाते हैं? कहीं नहीं। हां, सिखाने से ये बहुत कुछ सीख जाते हैं। लेकिन ये सीखते तो स्वयं ही हैं। जंगल-पहाड़ या झील-वीरानों में कौन, किसको सिखाता है। अगर उसके घर परिवार के सिखाते भी हैं तो बहुत ही कम। सब अपने से और अपने बलबूते सीखते हैं। असल में गलतियां वे दोहराते नहीं। चीटियां सीध में चलती हैं तो भेड़-बकरियां समूह में। ऐसे ही अन्य जीव-जंतुओं से हम सीख सकते हैं, पर सीखना नहीं चाहते। जबकि ये बेजुबान जानते-समझते हैं। बीमार होने पर अपना इलाज खुद करते हैं। फल, घास-पत्तियां खाकर अपनी डाक्टरी कर लेते हैं। फिर बरसों-बरस अपनी उम्र भी जीते हैं। एक लिहाज से देखा जाए तो वर्ष समय ही होता है। एक-एक दिन से महीना और बारह महीने लिए एक साल हो जाता है। इससे पहले एक दिन में चौबीस घंटे और एक घंटे में साठ मिनट। और इससे भी आगे एक मिनट में साठ सेकंड। पल-पल लम्हों से ही समय बनता है। जाने क्यों, हम सब भुला कर घोड़े पर सवार होना चाहते हैं। सवार हो भी जाते हैं। जिसके फलस्वरूप कभी-कभी अनचाहा हो जाया करता है। हमारे बड़े-बूढ़े इसलिए कहते भी हैं कि धैर्य रखें। धीरज से सब ठीक हो जाता है। यहां हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि परेशानी खुद से कम, दूसरों से बहुत अधिक मिलती है। जीवन में जो भी घटता है, वह सबक होता है। मन की तसल्ली देने के लिए कह दिया जाता है- 'ऊपरवाले के करम हैं। उसकी परम इच्छा है।' चूंकि गुजरते वर्ष को हर कोई अपनी इच्छा और हैसियत से विदाई देता है। हालांकि यह चलन साल भर मौके-बेमौके बहुतों के यहां चलता रहता है। पर वर्ष के अंतिम दिन आधी रात तक इसे मनाने का एक अलग ही आनंद होता है। आने वाला वर्ष हमें कुछ समझाए, सिखलाए, इससे पहले हमें संभल जाना चाहिए। शायद इसीलिए हम लोग नहीं, सब लोग मिल कर जश्न मनाते हैं। कसमे-वादे खाते हैं। एक सुधार के लिए इतना पर्याप्त है। आवश्यक भी इतना ही। कुछ गलत नहीं हुआ होगा, फिर भी हम क्षमा मांगते हैं। माफी चाहते हैं। इससे जाता कुछ नहीं। हां, एक खुशी मिलती है। दूसरे भी इस बहाने खुश हो जाते हैं। पिछले ग्यारह महीनों और तीस दिनों से कम से कम यह तो सीख ही गए हैं हम।

सनातन विरोधी, पश्चिमी विचारों और असभ्यता का गठबंधन है आई.एन.डी.आई.ए.

वर्ष 2023 में हुए कुल नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हिमाचल, कर्नाटक व तेलंगाना में विजय प्राप्त हुई है और कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर काफी उत्साहित है हालांकि इस महागठबंधन में कई पेंच इतनी बुरी तरह से उलझ गये हैं कि सुलझना कठिन होता जा रहा है। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनावों को लेकर सभी राजनैतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है और तैयारियों को अंतिम रूप देने में लग गये हैं। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन जहां बेहद आक्रामक ढंग से अपनी तैयारी में जुट गया है वहीं विपक्ष भी आई.एन.डी.आई.ए. बनाकर चुनावी घमासान करने के लिए तैयार हो चुका है। वर्ष 2023 में हुए कुल नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हिमाचल, कर्नाटक व तेलंगाना में विजय प्राप्त हुई है और कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर काफी उत्साहित है हालांकि इस महागठबंधन में कई पेंच इतनी बुरी तरह से उलझ गये हैं कि सुलझना कठिन होता जा रहा है। भाजपा जहाँ राम मंदिर, सनातन संस्कृति के उत्थान और विकसित भारत संकल्प यात्रा के बल पर लागातर आगे बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन की भी अब तक चार बैठकें हो चुकी हैं यद्यपि अभी तक इसके संयोजक का नाम तक तय नहीं हो पाया है तथापि 19 दिसंबर को आयोजित बैठक में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों से सीट साझा करने पर चर्चा करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है और गठबंधन नेता दावा कर रहे हैं कि आगामी 20 दिनों में सीटों के बंटवारे का फार्मूला तय हो जायेगा। जब दो राज्यों हिमाचल व कर्नाटक में कांग्रेस को सफलता मिली तब कुछ विश्लेषकों को ऐसा लगने लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद मोदी का जादू उतरने लगा है और कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष के मन में आशा का एक नया संचार हुआ है किंतु राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ तथा मिजोरम में भी कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों की पराजय के बाद स्थितियां पूरी तरह से बदल चुकी हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक विजय के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तीनों राज्यों में सफलतापूर्वक नेतृत्व परिवर्तन भी कर दिया जिससे सभी राजनैतिक विश्लेषक व सूत्रों के आधार पर समाचार चलाने वाले बड़े-बड़े एंकर व पत्रकारों तक हैरान रह गए और विरोधी दलों की राजनीति में भी हड़कंप मच गया। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होने जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने इसके लिए सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे, वामपंथी नेता सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं को भी समारोह का निमंत्रण पत्र भेजकर कई राजनैतिक निशाने साध दिये हैं। अगर आई.एन.डी.आई. गठबंधन के नेता रामलला मंदिर के उद्घाटन समारोह में नहीं जाते हैं तो यह हिंदू तथा सनातन विरोधी सिद्ध हो जायेंगे किन्तु चले गये तो इनके मुस्लिम वोटबैंक छिटकने का खतरा पैदा हो जायेगा। भारतीय जनता पार्टी व समस्त हिंदू संगठन आसानी से इन दलों पर हमलावर हो जायेंगे और इनकी विकृत विचारधारा पर तीखे हमले करके इन सभी दलों के नेताओं को नकली हिंदू साबित करेंगे और यह सभी दल बहुत आसानी से रामद्रोही सिद्ध हो जायेंगे। सर्वाधिक समस्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को होने जा रही है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का एलानः अब दलितों-आदिवासियों को वृद्धावस्था पेंशन के लिए पचास साल होगी पात्रता आयु

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5102

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5101

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5102

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिंदी साहित्यकार (8)
7. ताकत सहित, बलवान, ताकतवर (3)
8. आपस में गुथी एवं फैली हुई चीजों का विस्तार (2)
9. [illegible] (2)
11. रिरियाने का अपभ्रंश, मिमियाहट (3)
12. [illegible] (3)
13. एक दिवंगत हास्य अभिनेता जिन्होंने (1937 से 1989 के बीच 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया) (2)
15. युद्ध, लड़ाई, रण, संग्राम (3)
16. विशाल भूभाग में फैलाव (4)
18. इंद्रधनुष में रंगों की संख्या (2)
19. नतीजा, परिणाम, सुख-दुख का भोग (2)
20. जलीय अंश, शोरबा (2)
22. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
23. कार्यालय, ऑफिस (3)

ऊपर से नीचे

1. सुलोचना, सुंदर नेत्रों वाली (4)
2. अनिष्ट का डर या खौफ, कष्ट (2)
3. संख्या सूचक अंक, अदद, संख्या (3)
4. गिरोह का मुखिया (4)
5. पांच उंगलियों सहित हथेली का अगला भाग (2)
6. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
10. मन के अनुसार, मन के अनुकूल (5)
13. आने-जाने का भाव या क्रिया (5)
14. [illegible] के साथ हेमामालिनी की पहली फिल्म थी (4)
17. कमल, नलिनी का अर्धचंद्राकार टुकड़ा, कुमुद आदि फूलों की लंबी व खोखली नाल या डंडी (2)
18. परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति, मित्र, सखा (2)
21. महाशय या श्रीमान को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
20. [illegible], प्रत्येक (2)
22. बुनियाद, नींव, जड़ (2)

वर्ग पहेली 5101 का हल

म	ई	■	■	ग	ध	■	आ
ह	■	म	■	ड़	र	■	ज
ज	न	क	■	क	ना	ग	र
■	दा	स	ती	■	■	वा	क
ना	र	द	■	स	म	ह	■
जु	■	■	अ	त	ल	■	कु
क	ह	र	वा	■	मा	मू	ली
ता	र	■	म	■	सा	ल	■

वैष्णो देवी के दर्शन अब पर्ची से नहीं कर पाएंगे श्रद्धालु

जम्मू, 31 दिसम्बर। मां वैष्णो देवी के भक्तों के लिए जरूरी खबर है। नए साल पर मां के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ वैष्णो देवी धाम में उमड़ रही है। इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए श्राइन बोर्ड ने नई व्यवस्था की है। अब लोग दर्शन पर्ची दिखाकर मां के दर्शन नहीं कर पाएंगे, बल्कि प्रत्येक श्रद्धालु को स्पेशल स्टीकर वाले RFID कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

इस कार्ड के बिना श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए आगे नहीं बढ़ पाएंगे। वे जहां हैं, उन्हें वहीं रोक लिया जाएगा। यह कार्ड चैक करने के लिए जगह-जगह टीमें तैनात कर दी गई हैं, जिन्हें सख्त निर्देश भी दिए गए हैं। यह जानकारी श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने दी।

दर्शन करने वालों ने तोड़ा 10 साल का रिकॉर्ड–मां वैष्णो देवी के दर्शन करने वालों ने साल 2023 में पिछले 10 साल रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस साल 31 दिसंबर तक 97 लाख लोग मां के दर्शन कर चुके हैं। साल 2012 में एक करोड़ श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए थे। वहीं मां वैष्णो देवी धाम में नए साल पर भीड़ उमड़ते देखकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए हैं। कटड़ा से मां वैष्णो के भवन तक सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से श्रद्धालुओं पर नजर रखी जा रही है। वहीं कार्ड की चैकिंग करके श्राइन बोर्ड को यह पता चलेगा कि कितने भक्त दर्शन करने पहुंच चुके हैं और कितने अभी यात्रा कर रहे हैं? वहीं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कटरा से भवन तक चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल और पुलिस तैनात हैं। यात्रियों से भी श्राइन बोर्ड ने अपील की है कि वे प्रशासन को सहयोग करें।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार होने जा रहा है–सांसद

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने सुवासरा विधानसभा के ग्राम अजयपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सहभागिता की। उनहोने ग्रामवासियों को केन्द्र और राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानाकरी दी। इसी के साथ ही सांसद गुप्ता ने विकसित भारत बनाने का संकल्प के शपथ दिलाई।

सांसद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार होने जा रहा है। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार जन-जन के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसका पात्रता के अधार पर देशवासियो को लाभ मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्राके दौरान संचालित एलईडी वैन मोदी की ग्यारंटी बन लोगों को लाभांवित कर रही है। इसी के साथ ही ग्रामवासियों एवं पदाधिकारियों के साथ सांसद सुधीर गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। सांसद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम आम नागरिकों में देश व समाज के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। सांसद गुप्ता ने मोदी सरकार द्वारा हर वर्ग के व्यक्ति को लाभ देने का कार्य किया जा रहा है इसमें प्रमुख रूप से चार जातियों का समावेश किया है जिसमे युवा जाति, किसान जाति, महिला जाति और गरीब जाती की ओर सबका ध्यान आकर्षित कर उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करने का कार्य किया जा रहा है हर गरीब व्यक्ति को मुक्त में राशन दिया जा रहा है और इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख का मुक्त उपचार प्रदान किया जा रहा है साथ ही किसान कल्याण के लिए कई प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जो किसानों की आय को दुगना करने में लाभकारी साबित हो रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय पाटीदार मंडल अध्यक्ष नेपाल सिंह, महामंत्री श्यामसिंह देवड़ा, मगन सूर्यवंशी कार्यक्रम प्रभारी मेहरबान सिंह, सांसद प्रतिनिधि घनश्याम धनोतिया सुवासरा नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि बालाराम परिहार, प्रकाश सोलंकी, सुभाष पाटीदार, दिलीप कुमावत, राहुल मुजावदिया, सरपंच कैलाश पाटीदार एवं महीने पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं

ग्रामवासी और प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन गांवों में भ्रमण करेंगी– विकसित भारत संकल्पभ यात्रा 1 जनवरी 2024 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम झिरकन, गुदियाना, सेमलियाहिरा एवं पाडलियालालमुंहा, जनपद पंचायत मल्हारगढ़ में यात्रा देवरी एवं बैलारा, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा भूटनी एवं गराडा, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा कंवला एवं सादलपुर जनपद पंचायत सीतामऊमें गलियारा, खेड़ा, धलपट एवं ढाबलामहेश में भ्रमण करेंगी।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। पं. श्री दशरथभाईजी के मुखारविन्द से नयापुरा रोड़ स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा रविवार को समापन हुआ। श्री शांतिलालजी नानालालजी एकलिंगजी सोनी (कुलथिया) परिवार के द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के समापन अवसर पर भी बड़ी संख्या में धर्मालुजनों ने पहुंचकर श्रीमद् भागवत कथा का आनंद लिया। कथा समापन अवसर पर कथा आयोजक परिवार के श्री शांतिलालजी नानालालजी एकलिंगजी सोनी, धापूबाई सोनी, रामलाल सोनी (कुलथिया) परिवार ने सात दिवस तक भागवत कथा के माध्यम से ज्ञान गंगा प्रवाहित करने वाले पं. श्री दशरथभाईजी का सम्मान किया। कथा आयोजक परिवार ने पं. दशरथभाई जी को शाल श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज ने भी संत श्री एवं कथा आयोजक श्री शांतिलाल सोनी एवं श्रीमती धापूबाई सोनी का भी शाल श्रीफल से स्वागत किया। श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस रविवार को पं. श्री दशरथभाईजी ने श्रीकृष्ण सुदामा मित्रता श्री कृष्ण के पूरे परिवार एवं राजा परीक्षित मोक्ष की कथा श्रवण कराई। आपने धर्मसभा में कहा कि राजा परीक्षित ने सुखदेव के मुखारविंद से जब तक उन्होंने श्रीमद् भागवत ने नहीं सुनी थी तब तक वे अपनी मृत्यु के भय से भयभीत थे लेकिन सात दिवस तक पूरे मनोभाव से भगवान विष्णु के सभी अवतारों व श्रीकृष्णजी की लीलाएं सुनकर वे अपनी मृत्यु के भय से भयमुक्त हो गये।

भागवत कथा के षष्ठम दिवस शनिवार की शाम को विद्वान संत श्री सुनील पुरोहित ने भी पौथी पूजन किया और अपने विचार भागवत कथा में रखे। भागवत कथा में माहेश्वरी समाज ट्रस्ट के कृष्ण चिचानी, सत्यनारायण छापरवाल, शांतिलाल गगनानी, प्रहलाद काबरा, संघ के विभाग प्रचारक अरूण जैन, संघ के पदाधिकारीगण नवीन भटेवरा, संजय भाटिया, हर्षल कुलकर्णी, पवन शर्मा, चेतन बैरागी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कारूलाल सोनी, समाज के वरिष्ठजन सर्वश्री शंकरलाल राधोगढ़, धर्मेन्द्र सोनी शाजापुर, सतीश सोनी शाजापुर, सुरेश सोनी, रोहित सोनी राधोगढ़, बद्रीलाल शामगढ़, विनोद सोनी एसएसएन, विमल शर्मा, कन्हैयालाल अफजलपुर, दीपक दीवान, पप्पूभाई, विशाल सोनी रतलाम ज्वेलर्स, महेश सोनी ऐरावाला, पूर्व पार्षद उमेश पारिख, दीवाक माता भक्त मण्डल ने पौथी पूजन किया। रविवार को श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर स्वर्णकार समाज प्रदेश अध्यक्ष मुकश सोनी पचोर, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी इंदौर एवं रमणलाल सोनी उज्जैन, भाजपा महिला मोर्चा ताल अध्यक्ष दीपमाला सोनी, स्वर्णकार समाज शहर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन उाबर, सचिव भूपेन्द्र सोनी, पितृ स्मृति कोष अध्यक्ष नागेश्वर सोनी नीलम मसाला, सचिव प्रो. राधेश्या मसोनी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी लाला, समाज के वरिष्ठपरेश सोनी गुजरात, लक्ष्मीलाल सोनी मेलखेड़ा वाला, मदनलाल सोनी अजमेर, सुरेशचन्द्र मल्हारगढ़, कारूलाल सोनी मंदसौर, प्रकाश अडानिया, गोविन्दराम सोनी, रमेशचन्द्र करजू ने भी पं. दशरथभाईजी तथा कथा आयोजक परिवार का स्वागत किया। आर्ट ऑफ लिविंग मंदसौर के सदस्य जगदीशचन्द्र झंवर मित्र मण्डल, बालाजी ग्रुप, नमो ग्रुप ने भी दशरथभाईजी व कथा आयोजक परिवार का स्वागत किया। पं. देवेन्द्र शास्त्री ने भी कथा श्रवण की तथा व्यासपीठ का सम्मान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवकृष्ण पाटील, भाजपा नेता अजयसिंह चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी टेरेसा मिन्स ने भी भागवत कथा श्रवण की तथा पौथी की आरती की।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री पशुपतिनाथ की नगरी के राम भक्तों में भारी उत्साह

कारसेवकों ने नये वस्त्रों की खरीदारी की, दीपावली की तरह घरों को सजायेंगे

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। 22 जनवरी को पीएम मोदी रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। साधु-संतों से लेकर राम भक्तों में मंदिर के उद्घाटन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सम्पूर्ण भारत वर्ष के साथ ही यह उत्साह भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की नगरी में भी दिखाई दे रहा है। 22 जनवरी को दीपावली पर्व जैसा माहौल चहूं और दिखाई देगा। इस बहुप्रतिक्षित दिवस को लेकर अयोध्या राम जन्म भुमि कार सेवा के बलिदानी जत्थे के कार सेवक ने विशेष तैयारियां की है। एक जैसे नये वस्त्र धारण कर यह दिवस उमंग के साथ मनाया जाएगा। जिसको लेकर कारसेवकों ने कपड़े की खरीदारी की है।

कार सेवक डॉ. रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि 22 जनवरी को प्रभु श्री राम 500 वर्षों के बाद पुन: भव्य मंदिर में विराज ने वाले हैं जिसकी तैयारी हेतु दीपावली की ही तरह नए वस्त्र की खरीदारी की गई। हम सभी घरों पर लाइटिंग की व्यवस्था कर रहे हैं भगवा ध्वजा लगा रहे हैं और अपने वरो पर लाईट व आतिशबाजी की व्यवस्थाएं चल रही है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा दिवस को मनाने को लेकर जयवर्धन गुप्ता एडवोकेट पूर्व बजरंग दल संयोजक वर्तमान में हिंदू जागरण मंच के जिला सहसंयोजक, प्रदीप सोनी, राहुल पवार, अमित शर्मा, शांतिलाल सोनी आदि लोगों में उत्साह है।

सीईओ जिला पंचायत सत्यम ने पांच टीबी मरीजों को फुड बास्केट प्रदान किए

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम ने नि-क्षय मित्र बनकर मंदसौर शहर के 05 टी.बी. मरीजों को घर-घर जाकर फुड बास्केट प्रदान कर उनका स्वास्थ लाभ जाना ।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त किये जाने का संकल्प लिया गया है। इसी के संदर्भ में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान योजना अंतर्गत जिले के जनप्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट सेक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ, सोसाईटी, समस्त शासकीय/अशासकीय कर्मचारी एवं आम जनता द्वारा नि-क्षय मित्र बनकर टी.बी. मरीजों को फुड बास्केट प्रदान करना है। कोई भी व्यक्ति नि-क्षय मित्र बनकर टीवी मरीजों को फूड बास्केट देकर उनके स्वास्थ्य लाभ में मदद कर सकते है।

प्रदेश में वर्तमान में 41.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता...

2027 तक इसे बढ़ाकर 53 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में वर्तमान में जल-संसाधन विभाग के अंतर्गत 41 लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित की जा चुकी है। विभाग द्वारा दिसम्बर-2024 तक 43 लाख हेक्टेयर, दिसम्बर-2025 तक 46 लाख हेक्टेयर और दिसम्बर-2027 तक 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाये जाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। जल-संसाधन विभाग के अंतर्गत वर्तमान में 40 वृहद, 63 मध्यम और 375 लघु परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल सिंचाई क्षमता 30 लाख हेक्टेयर है। वर्तमान स्थिति में 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में आंशिक सिंचाई सुविधा विकसित की जा चुकी है। इन योजनाओं के पूर्ण होने पर 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा। प्रदेश में पानी के अधिकतम उपयोग के लिये सूक्ष्म दाब सिंचाई पद्धति को बढ़ावा देने के लिये 40 वृहद और 53 मध्यम परियोजनाओं में दबावयुक्त पाइप सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का उपयोग करते हुए निर्माण किया जा रहा है। जल-संसाधन विभाग के कुशल प्रबंधन से प्रदेश में निर्मित सिंचाई क्षमता का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। जल-संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में खरीफ फसल के लिये 3 लाख हेक्टेयर, ग्रीष्मकालीन फसल के लिये 83 हजार हेक्टेयर एवं रबी फसल के लिये निर्धारित लक्ष्य का 34.17 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रमोशन को अस्वीकार करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना चाहिए

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रमोशन को अस्वीकार करने का कोई कानून नहीं है यह उप्रर उप्रर चलने वाली व्यवस्था है इसलिए मध्य प्रदेश विधानसभा में एक सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है।

प्रमोशन की चाहत किसे नहीं होती, इसे बेहतर काम और तरक्की की सीढ़ी माना गया है। लेकिन सरकारी विभाग में ऐसे भी कर्मचारी है जो पदोन्नति नहीं चाहते इसमें लिपिक से लेकर अफसर तक शामिल है। विभाग उन्हें प्रमोशन देकर आगे बढ़ाना चाहता है लेकिन यह लोग प्रमोशन को अपने नफा- नुकसान के तराजू पर तौल कर देखते हैं और हमें प्रमोशन नहीं चाहिए बोल रहे हैं। कई बार तो प्रमोशन की सूची जारी होने के बाद भी नए स्थान पर ज्वाइन नहीं करते नहीं करते। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों के अहम पदों पर ट्रांसफर- पोस्टिंग पेंच भी फंसने लगे है, इसके बाद अनेक विभागों ने ऐसे निर्देश भी जारी किये कि ऐसे कर्मचारी जो प्रमोशन अस्वीकार कर रहे हैं उनसे हर हाल में शपथ पत्र लिया जाए कि वह कभी पदोन्नति की मांग नहीं करेंगे किंतु ऐसे निर्देशों की न्यायालय में धज्झियां उड़ गई।

अभी तक यह व्यवस्था है कि वर्तमान में किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को केवल तीन बार पदोन्नति और अस्वीकार करने का अधिकार है पर इसका कोई कानूनी आधार नहीं है यह सब उप्रर उप्रर चल रहा है इसी प्रकार इसका कोई लिखित आधार 'कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग' में भी नहीं है। किंतु मध्य प्रदेश में भी उक्त गैर कानूनी नियम लागू होने से अनेक कर्मचारी और अधिकारी अपने प्रमोशन को स्वीकार नहीं करते और बार-बार अनेक पारिवारिक कठिनाई जिसमें माता-पिता बीमार, पत्नी बीमार, बच्चा बीमार, अथवा स्वयं की शारीरिक अक्षमता,एवं अपनी अस्थिर मानसिक अवस्था का हवाला देकर अपने प्रमोशन को ठुकरा देते हैं जिसके कारण अनेक महत्वपूर्ण पदों पर प्रभारी अधिकारी और कर्मचारियों से काम चलाना पड़ता है, जिससे सरकारी कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

अकसर कर्मचारी और और अधिकारी प्रमोशन को इसलिए स्वीकार नहीं करते क्योंकि उन्हें जिम्मेदारी से बचना होता है अथवा यदि लाभ का पद नहीं है तो वह वहां जाना नहीं चाहते इस कारण अनेक विद्यालय एवं महाविद्यालय तथा शासन के विभिन्न विभागों में अथवा सामान्य प्रशासन के कार्यालयों में पूर्ण अधिकार युक्त अधिकारी नहीं है तथा उनके स्थान पर प्रभारी नियुक्त किए जाते हैं जो बार-बार बदले बदले जाते हैं तथा ये प्रभारी अधिकारी निर्णय लेने में कमजोर सिद्ध होते हैं, इस कारण सरकारी कामकाज एवं स्कूल कॉलेज का प्रशासन पूरी तरह लंच-पुंज हो रहा है एवं ब्यूरोक्रेसी जनता पर हावी होती जा रही है और इसके साथ ही जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ तीव्र गति से नहीं मिल पा रहा है। अत: मध्य प्रदेश शासन को अपने कानून में यह संशोधन करना चाहिए या नया कानून बनना चाहिए कि किसी भी कर्मचारी को अपने कार्यकाल में केवल एक बार प्रमोशन को अस्वीकार करने का अधिकार हो सकता है किंतु बाद में प्रमोशन को अस्वीकार करने का अधिकार नहीं रहेगा और यदि कोई कर्मचारी अधिकारी प्रमोशन को स्वीकार नहीं करते हैं तो उनको तीन माह का नोटिस अथवा वेतन देकर उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करना देना चाहिए। यदि उक्त कानून को बनाया जाता है तो प्रदेश के समस्त कार्यालयों एवं शासकीय संस्थानों को एक 'पूर्ण अधिकार' प्राप्त अधिकारी उपलब्ध होंगे और सरकारी कामकाज की गति तेज होगी।

रमेशचन्द्र चन्द्रे, मंदसौर

आइये जाने वर्ष 2024 में नवग्रहों का बारह राशियों पर प्रभाव-वार्षिक राशिफल

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। अंग्रेजी मतानुसार तारीख परिवर्तन रात्रि 12:00 बजे से माना जाता है,लेकिन सनातनी (पंचांग) ज्योतिष अनुसार सूर्योदय से सूर्योदय के बीच एक दिवस होता है। अंग्रेजी सन 2024 का प्रारंभ विक्रम संवत 2080 शाक 1945 पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी रविवार की रात्रि 12:00 बजे कन्या लग्न और सिंह राशि में हो रहा है। स्थूल रूप में बात करें वर्ष 2024 में ग्रह गोचर की स्थिति के बारे मे तो इस वर्ष 30 अप्रैल तक बृहस्पति ग्रह मेष राशि मे तथा 1 मई 2024 से वृषभ राशि में गोचर करेंगे वर्ष पर्यंत शनि ग्रह कुंभ राशि में तथा छाया ग्रह राहु मीन और केतु कन्या राशि में गोचर करेंगे।

✲ **मेष :–** इस वर्ष देवगुरु बृहस्पति की कृपा मेष राशि के जातकों पर अप्रैल माह तक बनी रहेगी इसी बीच आपके द्वारा सोचे गए कई कार्य संपन्न होंगे,इस समय मे आपकी निर्णय क्षमता मजबूत होगी, वर्तमान समय में शनि ग्रह आपकी गोचर कुंडली के एकादश भाव में है- जो कि आपको स्थिर आमदनी प्रदान करने में सक्षम है, इस वर्ष भाग्य का साथ भी अच्छा रहेगा, आय के साथ ही कुछ वांछित खर्चों में वृद्धि होगी- मांगलिक कार्यों में खर्च होगा तथा लंबे समय से अटकी हुई दूरस्थ यात्रा का भी योग बनेगा,वर्ष के अंत में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें आर्थिक चुनौतियां भी आ सकती हैं इस राशि के विद्यार्थियों को अभी ओर अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है, अविवाहित युवक यूतियों का विवाह योग बनता दिखाई दे रहा है वर्षफल शुभ है। भगवान नारायण की आराधना करे सर्वश्व सुमंगल होगा।

✲ **वृषभ:–** इस राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष विशेष शुभ फलदाई रहने वाला है हालांकि वर्तमान समय में देवगुरु बृहस्पति आपकी गोचर कुंडली के द्वादश भाव में स्थित है अत: खर्चों में अत्यधिक वृद्धि देखने को मिलेगी जैसे हि 1 मई 2024 से बृहस्पति आपकी राशि में आ जाएंगे इससे आपके भाग्य में बहुत ही ज्यादा वृद्धि होगी तथा आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण होंगे व्यापार इत्यादि में अत्यधिक लाभ मिलेगा धन संबंधित समस्याएं दूर होगी तथा भौतिक सुखों में वृद्धि होगी, तथा इस राशि के जातकों को उनके परिश्रम के अनुसार उचित फल मिलेगा लेकिन वर्ष 2024 के प्रत्युत्तरार्द्ध काल में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें एवं कोई विशेष फैसले लेने से पूर्व विषय के विद्वजनों से परामर्श अवश्य ले लेवे। आपकी चंद्र कुंडली मे शनि ग्रह विशेष योगकारी हैं जो की वर्तमान समय मे राजयोग का निर्माण कर रहे हैं,अत: इस वर्ष प्रयासरत जातको के लिये कर्मक्षेत्र मे सफलता के विशेष योग हैं।शनिदेव की आराधना करे।

✲ **मिथुन :–** मिथुन राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष सामान्य फलदायक ही रहेगा अर्थात यथा कर्म तथा फल।साल के शुरुआती दिनों में अपने पूर्व निर्धारित कार्य निपटा लेवे, अगस्त माह के उपरांत योग्य जातको की पदोन्नति के योग भी बन रहे हैं, प्रतियोगिता क्षेत्र में तैयारी कर रहे जातकों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा, इस वर्ष आपको अपने विशेष कार्यों के लिए कुछ समय तक दूरस्थ निवास करना पड सकता है, जो लोग निजी व्यापार से जुड़े हुए हैं उन्हें इस वर्ष अधिक परिश्रम की आवश्यकता है, परिवारिक सुख में उतार-चढ़ाव का माहौल रहेगा जिसका सामना आपको करना पड सकता है, जुलाई उपरांत मौसमी बीमारियों से सावधानी बरते एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखें। घर के बुजुर्गों की सेवा करने से आपको वर्षफल मे अनुकूलता का आभास होगा।

✲ **कर्क :–** इस वर्ष आपकी सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के भी योग बनेंगे, पूर्व समय से चली आ रही मानसिक परेशानियों का समाधान मिलेगा।इस राशि के विद्यार्थियों को वर्ष उत्तरार्ध में कोई शुभ समाचार मिल सकता है, अर्थात अपने परिश्रम का पूर्ण फल मिलेगा। साल के मध्य में खर्च खर्च भी बढ़ेंगे और आय के स्त्रोत भी बढ़ेंगे, यदि आप कोई निवेश योजना कर रहे हैं तो सावधानी बरते, स्वास्थ्य पक्ष अच्छा है,इस वर्ष मे नया वाहन सुख या भूमि भवन संबंधित सुख प्राप्ति के योग बन रहे है,पारिवारिक सुख शांति हेतु मन की अत्यधिक चंचलता को नियंत्रित रखे, व्यापारिजन के लिये उत्तम है, पूर्णिमा के चाँद की पूजा करे एवं दूध से अर्घ्य प्रदान करे।

✲ **सिंह :–** सिंह राशि वाले जातक इस वर्ष मात्र भाग्य के भरोसे चलने वाले हैं, अप्रैल उपरांत यह वर्ष थोड़ा संघर्षमय हो सकता हैं। शारीरिक रोग-व्याधि व मानसिक परेशानियों मे उलझ सकते हैं, कार्यक्षेत्र मे विशेष सावधानी रखें। इस वर्ष के प्रारम्भ मे कोई अटका हुआ कार्य सम्पन्न हो सकता हैं, पारिवारिक क्लेश से बचने का प्रयास करे वाणी पर विशेष संयम रखें। दाम्पत्य जीवन मे जीवन साथी के साथ मिलेगा अपना बर्ताव सही रखे। वर्ष के उत्तरार्द्ध मे जीवन सुखमय बनेगा तथा पारिवारिक खुशहाली दिखेगी, आनंददायक यात्रा के भी योग बनते दिखाई दे रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र मे प्रयासरत छात्रों के लिये वर्ष के शुरूआती महीने बहुत अच्छे हैं इन्ही मे सफलता के योग बनेंगे।वर्ष के पूर्वार्द्ध मे कोई स्थिर सम्पत्ति खरीदी का योग भी बना रहा हैं, भगवान सूर्य की आराधना आपके लिये विशेष शुभफलदायी रहेगी।

✲ **कन्या :–** यह वर्ष कन्या राशि वाले जातकों के लिए विशेष शुभफल हो सकता है, गुप्त विषयों में रुचि रखने वाले जातकों को लाभ के योग बनेंगे।इस समय में कोई नया वाहन खरीदारी के योग बन रहे हैं,काम की तलाश कर रहे योग्य जातको को अवश्य हि सफलता मिलेगी, घर परिवार में सुख शांति हेतु कोई धार्मिक आयोजन हो सकता है।फिर भी अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस वर्ष का पूर्वार्द्ध आपके स्वास्थ्य के लिए विशेष शुभ नहीं है,व्यापार इत्यादि में सकारात्मक सोच रखें क्योंकि आपको इस समय अपने व्यापार क्षेत्र में कुछ संघर्ष अधिक करना पड सकता है, संतान पक्ष से लाभ होगा तथा अस्थाई रोगों से मुक्ति मिलेगी,कुछ बड़े कर्जो मे कमी आएगी।भगवान श्री गणेश जी की आराधना विशेष शुभफालदायी रहेगी।

✲ **तुला :–** वर्ष के प्रारम्भ का समय आपके लिए बहुत शुभ एवं आनंददायी रहेगा, निर्धारित कार्य समय पर पुरे होंगे, यदि आप किसी विशेष कार्य को भी सम्पन्न करने का सोच रहे हैं तो उसमे भी सफलता मिलेगी, योग्य अविवाहित जातको के निश्चय हि विवाह योग बनेंगे .. लेकिन इसके बाद वर्ष के मध्य से अंत तक समय प्रतिकूल रहेगा अधिकतर कार्य उलट फूलट होंगे मानसिक तनाव बढ़ सकता हैं, साथ हि वैवाहिक जीवन की परेशानिया भी बड़ सकती हैं इसलिए परिवार मे संयम बनाकर रहे। आर्थिक विषयो मे सावधान रहे, कमाई के स्त्रोत निश्चय हि बढ़ेंगे लेकिन खर्च भी अधिक होगा, अंचल सम्पत्ति जाने के योग बन रहे हैं। संतान एवं माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। वर्ष के अंत मे कार्यक्षेत्र,नौकरी इत्यादि मे अधिक दबाव या कार्य व्यस्तता बनेगी।माता लक्ष्मी की आराधना आपके लिये विशेष शुभफलदायी रहेगी।

✲ **वृश्चिक :–** वर्तमान समय में खर्चो की अधिकता मानसिक अशांति तथा भय बन रहा है, 1 मई 2024 के उपरांत वर्ष पर्यंत बृहस्पति गृह बहुत ही अच्छा फल देने वाला है इस समय में आपके द्वारा सोचे गए अधिकतर कार्य संपन्न होंगे ज्ञान प्राप्ति के इच्छुक जातकों की ज्ञान वृद्धि होगी पारिवारिक सुख प्राप्त होगा तथा अविवाहित जातकों के विवाह योग बनेंगे, स्वयं से कर्मशील बने रहे। इस वर्ष आपको किसी व्यक्ति विशेष के सहयोग से अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत जातकों की व्यस्तता बढ़ेगी तथा लंबी यात्राएं करने के योग बनेंगे निश्चय ही पिछले कुछ समय से आपका रुका हुआ विशेष कार्य पूर्ण होगा दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी तथा संतान प्राप्ति के इच्छुक जातकों की इच्छा पूर्ण होगी याद रहे जितना परिश्रम आप कर सकते हैं उतने ही सपने देखें अन्यथा निराशा का सामना करना पड सकता हैं। माता-पिता तथा देवी आराधना आपके लिए सर्वोपरि है।

✲ **धनु:–** धनु राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदाई रहेगा, हालांकि आपके जीवन में इस वर्ष ऐसा कोई विशेष प्रभाव आपको नहीं दिखेगा लेकिन फिर भी आर्थिक स्तर अच्छा रहेगा दांपत्य जीवन सकुशल व्यतीत होगा,कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से अधिक तर्क वितर्क ना करें अन्यथा उलझ सकते हैं, जिस विषय का आपको ज्ञान न हो उस विषय में हाथ ना डालें तो उचित रहेगा।इस राशि के छात्रों को शिक्षा प्राप्ति में किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड सकता है,पुराने मित्रों से मेल मिलाप तथा पारिवारिक कार्यक्रमों में व्यस्तता अधिक रहेगी, साथ ही घर परिवार से दूरी बनने का योग भी बन रहा है।धन पक्ष उत्तम है व्यापार इत्यादि अच्छा चलेगा। आपके लिए भगवान विष्णु की आराधना विशेष शुभ फलदाई रहेगी।

✲ **मकर :–** मकर राशि वाले जातकों का अभी समय प्रतिकूल चल रहा है,स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती है अत: स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, विशेषकर आपकी माता के स्वास्थ्य संबंधित चिंता हो सकती हैं, लेकिन 1 मई 2024 के उपरांत आपका समय आपके अनुकूल रहेगा तथा आपकी सारी मनोकामनाएं पूरी होंगी। आपको भाग्य का साथ मिलेगा तथा भाग्य 7 से ही आपके सारे काम पूर्ण होंगे भौतिक सुखों में वृद्धि होगी वाहन इत्यादि भोग कारक सुखों की प्राप्ति होगी। गुरुजनों का मार्गदर्शन मिलेगा तथा गुरु कृपा से ज्ञान वृद्धि होगी आय के स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी लंबे एवं बड़े कर्ज मे शांत्वना मिलेगी। वर्ष के उत्तरार्ध में कोई बड़ी खरीददारी कर सकते हैं।भगवान शिव की आराधना आपके लिए विशेष शुभफलदायी रहेगी।

✲ **कुंभ :–** कुंभ राशि के जातकों के लिए वर्तमान समय अनुकूल चल रहा है भूमि भवन वहां इत्यादि सुखों में वृद्धि के योग हैं,नया परिचय तथा नई प्रसिद्ध मिलेगी। लेकिन वर्ष के उत्तरार्ध में आपकी समस्याएं बढ़ती हुई दिखाई दे रही है, मानसिक तनाव तथा आर्थिक समस्याएं बढ़ेगी। पारिवारिक कार्यक्रमों में खर्च अधिक होगा, एवं कर्ज वृद्धि के भी योग हैं, हालांकि इस समय में पुराने कुछ अटके हुए कार्य भी आपके संपन्न होंगे, घर में मांगलिक कार्य के योग बन रहे हैं, शुभ रहेगा आत्म बल पराक्रम एवं मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा जिससे इस वर्ष में अधिक कर्ज लेने से बचे।विद्यार्थियों के लिए या वर्ष थोड़ा चुनौती पूर्ण रहेगा, आपको इस वर्ष में अधिक संघर्ष की आवश्यकता रहेगी। भगवान शिव तथा शनि देव की आराधना आपके लिए सर्वोपरि है।

✲ **मीन :–** मीन राशि वाले जातकों के लिए यह वर्ष शुभ फलदाई रहेगा, आत्मबल- मनोबल तथा पराक्रम बढ़ा हुआ रहेगा। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी भौतिक सुखों में वृद्धि होगी चल अचल संपत्ति की वृद्धि के योग बन रहे हैं, ज्ञान शिक्षा एवं, रिसर्च के क्षेत्र में कार्य कर रहे जातकों के लिए यह समय थोड़ा संघर्ष में हो सकता है इस वर्ष में आपको आकस्मिक लाभ के योग भी बनेंगे तथा अविवाहित जातकों के विवाह योग भी बनते हुए दिख रहे हैं। वर्ष के उत्तरार्ध में कोई अस्थाई रोग उत्पन्न हो सकता है मौसमी बीमारियों के शिकार भी हो सकते हैं अत: स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखेंतथा गुरु मंत्र का जाप करें।

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर

7024667840,8085381720

एमपी बोर्ड परीक्षा: 30 अंकों के पूछे जाएंगे वस्तुनिष्ठ प्रश्न

मंदसौर, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षा फरवरी में शुरू रही हैं। हाई स्कूल परीक्षा में सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों में 30 नंबर के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। इनमें एमसीक्यू, रिक्त स्थान, सही-गलत, जोड़ी मिलान जैसे प्रश्न शामिल हैं। ऐसे में छात्रों के पास यह मौका होगा कि वे सही जवाब देकर पूरे-पूरे अंक हासिल कर सकें। इसके लिए स्कूलों में भी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की तैयारी के लिए विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

बताया गया है कि मंडल द्वारा तैयार की गई अंक योजना के 75 नंबर के पेपर में 30 नंबर केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के होंगे। यह पूरे पेपर का 40 प्रतिशत है। इस तरह से वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सही जवाब देकर छात्र बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं। यानी सीधे तौर पर पास हो सकते हैं। इसी तरह 12वीं में हिंदी में 32 नंबर के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। इनमें भी प्रत्येक उप प्रश्न पर एक अंक निर्धारित रहेगा। बता दें कि 8 से 13 जनवरी तक स्कूलों में वार्षिक परीक्षा का पूर्व अभ्यास होना है। इसके बाद भी परीक्षा की तैयारी करवाई जाएगी।

बता दें कि विषय विशेषज्ञों का कहना है कि वस्तुनिष्ठ प्रश्न किसी भी पाठ के बीच में से पूछे जा सकते हैं। पाठ के अंत में दिए गए मुख्य बिंदुओं से भी इसे पूछा जाता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि छात्र ने पाठ ठीक से पढ़ा हो। लेकिन, अगर स्कूलों में अभ्यास प्रश्नों में भी यह पूछे जाएंगे तब भी छात्रों को विषय से संबंधित जानकारी हो सकेगी और वे लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न भी लिख सकेंगे।

अभ्यास पेपर हल कराएंगे...

15 जनवरी तक अभ्यास प्रश्न और वार्षिक परीक्षा की तैयारी से काफी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। शिक्षकों को पता चल जाएगा कि छात्र किन बिंदुओं में कमजोर हैं। तब उन्हें अगले 15 दिनों में विशेष तैयारी करवाई जाएगी। मंडल ने भी माडल पेपर वेबसाइट पर लोड किए हैं। इससे भी छात्रों को मदद मिल सकेगी। इसके अलावा स्कूल शिक्षा विभाग ने भी अभ्यास पेपर तैयार करवाए हैं। स्कूल स्तर पर भी इन्हें तैयार किया जाना है।

महामाया भादवा में नव वर्ष की शुरुआत के दिन भक्तों का लगेगा जमावड़ा

समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा महाप्रसादी वितरण, वैष्णोदेवी की तर्ज पर मां भादवा के लगेगा भोग, होगा प्रसादी वितरण

नीमच, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से विश्व विख्यात मां भादवामाता में नए वर्ष 2024 की शुरूआत कुछ खास अंदाज में होगी। आज की पीढी का झुकाव सनातन धर्म की और लगातार बढता जा रहा है। हर वर्ग नए साल की शुरूआत सनातन धर्म की गतिविधियों से जुडकर करना चाहता है। आरोग्य धाम भादवामाता में नव वर्ष एक जनवरी सोमवार को भक्तों का तांता लगेगा। भक्तों की सुविधा के लिए कलेक्टर दिनेश जैन व एसडीएम डॉ. ममता खेडे द्वारा खास इंतजाम किए गए है। वहीं समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा मां वैष्णोदेवी की तर्ज पर मां भादवामाता को भोग लगाया जाएगा और महाप्रसादी वितरण की जाएगी।

नीमच जिले का अति प्राचीन और आरोग्य धाम चमत्कारिक मंदिर महामाया भादवा के दिव्य मंदिर निर्माण तेजी से चल रहा है। समाजसेवी अरूल अशोक गंगानगर द्वारा गृभगृह के सामने सभा मंडप सहित मंदिर का समस्त कार्य अपने हाथों में ले रखा है। मान्यता है कि यहां जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से मनोकामना मांगता है, उसकी हर इच्छा माता रानी पूरा करती हैं। यही वजह है कि नववर्ष 2024 की शुरूआत भी हर युवा माता रानी के दर्शन से करना चाहते हैं। हर वर्ष नए साल पर माता रानी के मंदिर में भक्तों की भारी भीड उमडती है। श्रद्धालुओं की आने वाली भारी भीड को देखते हुए भी मंदिर समिति की ओर से विशेष तैयारियां की गई है। अलसुबह से ही मातारानी के दर्शन का दौर शुरू हो जाएगा, जो देर रात तक चलता रहेगा। समाजसेवी अरूल गंगानगर द्वारा नए वर्ष की शुरूआत के दिन मां वैष्णोदेवी की तर्ज पर मां भादवामाता को विशेष भोग लगाया जाएगा। चना और हलवा की प्रसादी वितरण सोमवार सुबह 10 बजे शुरू होगा, जो दिनभर चलेगा।

मास्टर प्लॉन में तेजी, 2024 में दिव्य मंदिर व आरोग्य धाम निर्माण तेजी से होगा– वर्ष 2023 में भादवामाता मास्टर प्लॉन में तेजी आई। मप्र शासन और समाजसेवी आगे और लगातार बैठकें हुई। दिव्य और उद्भूत मंदिर बनाने का काम वर्ष 2024 में तेजी से काम चलेगा। मां भादवामाता के भक्त अरूल अशोक अरोरा गंगानगर ने मंदिर परिसर का काम अपने हाथ में रखा है वर्तमान में मंदिर निर्माण छत भरने की और अग्रसर है। समाजसेवी अरूल गंगानगर द्वारा माताजी की बावडी, शिव मंदिर गर्भगृह, रंग मंडप, सभा मंडप, हवन कुंड, झरोखे, बावडी निर्माण कार्य करवाएं जाएंगे। कोशिश है कि सभी कार्य जल्द ही पूर्ण हो। छत भरने के बाद नक्काशी का काम शुरू होगा।

विकसित भारत यात्रा कल लूनाहेड़ा पहुंचेगी

लूनाहेड़ा, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत यात्रा 2 जनवरी दोपहर 1 बजे गांव लूनाहेडा पहुंचेंगी । ग्राम पंचायत परिसर में कार्यक्रम होगा। सरपंच ईश्वरलाल धनगर ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में सभी प्रशासनिक अधिकारी व विभिन्न विभागों के कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

संकल्प यात्रा पहुंची चीताखेड़ी

लूनाहेड़ा, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम चिताखेडी में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची। जहां भाजपा नेताओं द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणो को बताया गया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय प्राथमिक विद्यालय आक्या पालरा के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर शानदार प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मल्हारगढ मंडल अध्यक्ष जीतू जाट, जनपद सदस्य भेरुलाल भाटी, सरपंच ईश्वरलाल धनगर, पूर्व जनपद प्रतिनिधि जगदीश मालवीय, पुर्व जनपद प्रतिनिधि फुलसिंह चौहान, प्रकाश पोरवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

एक जनवरी को खरगोन से केंद्रीय मंत्री अमित शाह मप्र को देंगे साइबर तहसील की सौगात

भोपाल, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। एक जनवरी 2024 से मध्य प्रदेश के शेष 43 जिलों में साइबर तहसील शुरू हो जाएंगी। खरगोन में एक जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मध्य प्रदेश को साइबर तहसील की सौगात देंगे। शाह एक जनवरी को खरगोन पहुंचेंगे और साइबर तहसील के शुभारंभ के अलावा मध्य प्रदेश को अन्य विकास कार्यों की सौगात देंगे।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने शुक्रवार को अमित शाह को दिल्ली जाकर साइबर तहसील के शुभारंभ कार्यक्रम का आमंत्रण दिया था। जिसे शाह ने स्वीकार लिया है। इस व्यवस्था से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण, अविवादित नामांतरण के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना होगा। रजिस्ट्री के 15 दिनों के भीतर ही नामांतरण हो जाएगा, इसके लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

अभी 12 जिलों में ही साइबर तहसील की व्यवस्था– अभी केवल 12 जिलों में ही साइबर तहसील की व्यवस्था लागू है। शेष 43 जिलों में अब भी दफ्तर के चक्कर लगाने होते हैं, लेकिन एक जनवरी से अन्य 43 जिलों में भी साइबर तहसील की व्यवस्था लागू हो जाएगी। इसके लिए अलग से स्टाफ भी रखा जाएगा और प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय में भी स्टाफ बढाया जाएगा। बता दें कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने 13 दिसंबर को मंत्रिमंडल की पहली बैठक एक जनवरी 2024 से साइबर तहसील की व्यवस्था प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू करने का निर्णय लिया था।

दतिया और सीहोर से शुरू हुआ था पायलट प्रोजेक्ट– मध्य प्रदेश में सबसे पहले दतिया एवं सीहोर दो जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 27 मई 2022 को साइबर साइबर तहसील लागू की गई थी। इसके लिए तत्कालीन गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा प्रयासरत थे। इसके बाद छह अक्टूबर 2022 को इंदौर, हरदा, डिंडौरी एवं सागर जिले में साइबर तहसील लागू की गई। 10 अगस्त 2023 को साइबर तहसील आगर मालवा, बैतूल, उमरिया, श्योपुर, विदिशा एवं ग्वालियर छह जिलों में प्रभावशील की गई। इस तरह डेढ साल में साइबर तहसील सिर्फ 12 जिलों में ही प्रभावशील थी। अब यह साइबर तहसील शेष 43 जिलों में भी एक जनवरी से लागू की गई है।

फेसलेस और पेपरलेस है साइबर तहसील में व्यवस्था– प्रदेश में बिना आवेदन, नामांतरण और अभिलेख दुरुस्तीकरण की व्यवस्था जून, 2022 से लागू की गई है। इसे साइबर तहसील नाम दिया गया है। इसमें रजिस्ट्री उपरांत, क्रेता के पक्ष में अविवादित नामांतरण, एक फेसलेस, पेपरलेस तरीके से आनलाइन प्रक्रिया के द्वारा 14 दिन में बिना आवेदन के और बिना तहसील के चक्कर लगाए स्वत: हो जाता है और खसरे तथा नक्शे में भी क्रेता का नाम चढ जाता है। वर्तमान में यह व्यवस्था प्रदेश के 12 जिलों की 442 तहसीलों में लागू है। इसके माध्यम से अब तक 16 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

संभागायुक्त संदीप यादव बने जनसंपर्क आयुक्त

खुद पर जुर्माना लगाने वाले युवा नीरज कुमार सिंह को मिली उज्जैन की कमांड, निगमायुक्त रोशन कुमार सिंह भोपाल स्मार्ट सिटी सीईओ बने

उज्जैन, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन ने एक आदेश जारी कर उज्जैन के संभागायुक्त एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2000 बेच के अधिकारी संदीप यादव को जनसंपर्क का आयुक्त नियुक्त किया है। उज्जैन कलेक्टर के पद पर 34 वर्षीय युवा नीरज कुमार सिंह को भेजा गया है। कार्यशैली में सख्त प्रशासन के पक्षधर रहे श्री सिंह खुद पर जुर्माना लगाने से भी नहीं चुके और सुर्खियों में रहे हैं। वर्तमान उज्जैन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को मंत्रालय में उपसचिव बनाया गया है।

2012 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नीरज कुमार सिंह वर्तमान में हौशंगाबाद (नर्मदापूरम) की कलेक्टरी संभाल रहे थे। राजगढ कलेक्टर रहते हुए उन्होंने दिसंबर 2020 में खुद पर जुर्माना लगाकर एक मिसाल पेश की थी। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर अपनी लापरवाही स्वीकार करते हुए खुद पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया था। सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का निराकरण समय से नहीं होने पर कलेक्टर ने इसे लापरवाही माना था। सीएम हेल्पलाइन पर आई कई शिकायतें सीधे कलेक्टर से जुडी हुई थी। लिहाजा अपनी गलती स्वीकार करते हुए कलेक्टर ने खुद पर 100 रुपए का जुर्माना लगाया था। तब काफी सुर्खियों में रहे। राजगढ में अजा वर्ग के एक मामले में भी वे सुर्खियों में आ गए थे। नेमावर हत्याकांड के विरोध में धरना देने वालों को उन्होंने भगा दिया था और मोबाईल छुडा लिए थे। तब वे उंगली दिखाते हुए मास्क उपर करने के लिए बोले थे । इस बात पर समुदाय में खासा आक्रोश रहा था और उन्हें हटाने की मांग उठी थी।

निगमायुक्त रोशनसिंह भोपाल भेजे गए – भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2015 बेच के मध्यप्रदेश काडर के अधिकारी नगर निगम उज्जैन के आयुक्त रोशनकुमारसिंह को हटा दिया गया है। उन्हें राज्य शासन ने प्रदेश की राजधानी भोपाल स्मार्ट सिटी का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है।

अपर कलेक्टर यादव बनी जबलपुर निगमायुक्त – राज्य शासन के आदेश में उज्जैन में पदस्थ अपर कलेक्टर एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2016 बेच की अधिकारी प्रीति यादव को आयुक्त नगर पालिक निगम जबलपुर पदस्थ किया गया है।

प्रदेश में हवाओं का रुख बदलने से बढ़ा रात का तापमान, बूंदाबांदी के आसार

भोपाल, 31 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पाकिस्तान के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। उसके प्रभाव से वातावरण में नमी आने लगी है। इस वजह से बादल छाने लगे हैं। इस वजह से सभी शहरों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। साथ ही सुबह के समय ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, भोपाल संभाग के जिलों में घना कोहरा बरकरार है।

शनिवार को सुबह ग्वालियर में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। खजुराहो में दृश्यता 50 मीटर रही। प्रदेश में सबसे कम 7.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दतिया में दर्ज किया गया। पांच शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। हिल स्टेशन पचमढी में पारा 9.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से बादल छाने की संभावना है। रविवार को भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी प्रकाश ढवले ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात में सक्रिय है। इसके साथ एक द्रोणिका भी संबद्ध है। इसके प्रभाव से राजस्थान पर एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। इन दो मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदलने लगा है। हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी हो गया है।

हवाओं के साथ नमी आने के कारण बादल भी छाने लगे हैं। इस वजह से ग्वालियर, चंबल, सागर, संभाग के जिलों में कोहरा बना हुआ है। रविवार को भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठमौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि सोमवार को भोपाल, सागर, रीवा, शहडोल, जबलपुर एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने के आसार हैं। मंगलवार से मौसम साफ होने लगेगा, लेकिन सात जनवरी से एक बार फिर प्रदेश में वर्षा हो सकती है।

कानून जगत की हस्ती श्री मनसुखलाल भाचावत का निधन, श्रद्धांजलि दी

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। मालवा अंचल के प्रख्यात कानूनविद ,वरिष्ठ अभिभाषक श्री मनसुख लाल भाचावत का कल निधन हो गया है। हाई कोर्ट के जस्टिस रहे स्व.श्री यू.एन.भाचावत के छोटे भाई, एवम पूर्व विधायक स्व.श्री धनसुखलाल भाचावत के बडे भाई श्री मनसुखलाल भाचावत के जाने से कानून जगत में एक बडी क्षती हुई है। कानून जगत की प्रख्यात हस्ती श्री मनसुखलाल भाचावत का कल के ही दिन 31.12.1930 को जन्म हुआ था। वे मंदसौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे हैं।इनके अलावा समाज सेवा के क्षेत्र में भी वह सकल जैन समाज के अध्यक्ष, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष के रूप मे वे अपनी सेवाए दे चुके है।आज उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास से निकाली जिसमें बडी संख्या में शहर की राजनीतिक हस्तियों और अभिभाषक को अभिभाषको एवम समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। मुक्तिधाम में उनके पुत्र मंगेश भाचावत ,अनिल भाचावत, मनोज भाचावत एवं परिवार के लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। मुक्तिधाम पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्हें मंदसौर के विधायक श्री विपिन जैन, भाजपा के वरिष्ठनेता बंशीलाल गुर्जर, समाजसेवी नरेश दोषी, नंदकिशोर अग्रवाल, गजेंद्र हिंगड ,प्रकाश रातडिया, घनश्याम बटवाल ,बृजेश जोशी एस.एम. जैन, भूषण पटवा ,अनिल कियावत, राजेंद्र अग्रवाल ,बलजीत सिंह नारंग ,जवाहरलाल जैन ,कनक पंचोली, रघुवीर सिंह पवार, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, महेंद्र जैन, रवि राका,राजेश रघुवंशी, तेजपाल सिंह धाकड़ी , दिलीप राका,महेश जैन, कांतिलाल राठौर, नरेंद्र सिपानी, सकल जैन समाज के अध्यक्ष प्रदीप कीमती ,नरेंद्र सिपानी , अनिल कियावत, महेंद्र जैन एडवोकेट, उज्जैन, दीपक शर्मा एडवोकेट उज्जैन, राहुल शर्मा एडवोकेट उज्जैन, राजीव भार्गव एडवोकेट सीतामऊ, विजय पाटीदार एडवोकेट सीतामऊ, अजय राणावत एडवोकेट नारायणगढ, शैलेंद्र डागा, शरद डागा ,शरद गांधी सहित कई वरिष्ठ नागरिको ने श्री मनसुखलाल भाचावत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अभा मालवीय बलाई समाज की बैठक सम्पन्न

जिला अध्यक्ष कैलाश मालवीय व श्रीमती विद्या कड़ोतिया महिला अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय मालवीय बलाई समाज जिला मंदसौर की आवश्यक बैठक 31 दिसबंर रविवार को पानपुर बंजारी बालाजी मंदिर परिसर मे संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मांगीलाल मेहर छायन की उपस्थिति मे सामाजीक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें सर्व सहमती से कैलाश मालवीय बालागुडा को आगामी 3 वर्षो के लिए जिलाध्यक्ष मंदसोर के पद पर और श्रीमति विद्या कडोतिया को महिला जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनित किया गया। बैठक में मंदसोर जिलें के वरिष्ठ रामसिंह मेहर, अर्जुनसिंह मेहर, भुवानीराम परमार,

श्यामलाल मालवीय (चावली), नारायणलाल बोराना, किशोर गोयल, भेरुलाल खचरानिया, विक्रम गेहलोत, डॉ. गोपाल परमार, प्रहलाद परिहार, दशरथ मालवीय (पहेडा), झमकलाल परिहार, दिपक मालवीय, मुन्नालाल मालवीय सरपंच, भेरुलाल संरपच, जगदीश तुमडावदा, मनीष चौहान गरोडा, नायब तहसीलदार कचरूलाल मालवीय, मनीष चौहान, बाबुलाल मालवीय, अशोक खिंची पूर्व (जिला पंचायत सदस्य, आनंद पिछोलिया, जगदीश उपरेडा, ओम साँखला, गंगाराम गोखलिया, ईश्वरलाल अटेला, मदनलाल आकली, सुरेश चौहान जग्गाखेडी, भेरुलाल मालवीय, गोवर्धन मोर्य, घनश्याम मालवीय, अर्जुन मालवीय, फकीरचंद मालवीय, व कई समाजगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अर्जुन सिंह मेहर द्वारा किया गया।

तहरीक-ए-हुर्रियत गैरकानूनी संगठन घोषित

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। तहरीक ए हुर्रियत जम्मू-कश्मीर संस्था को गैर कानूनी संगठन घोषित कर दिया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भारत सरकार के इस कदम पर ट्वीट किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, तहरीक-ए-हुर्रियत, जम्मू-कश्मीर को यूएपीए के तहत एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है। गृहमंत्री ने लिखा, यह संगठन जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने और इस्लामिक शासन स्थापित करने की निषिद्ध गतिविधियों में शामिल है। यह समूह जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए भारत विरोधी प्रचार फैला रहा है और आतंकवादी गतिविधियां जारी रख रहा है।

मप्र पेंशनर समाज का सम्मान समारोह संपन्न

मनासा, 31 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को मध्य प्रदेश पेंशनर समाज तहसील शाखा मनासा के तत्वावधान में तहसील स्तरीय सम्मान सम्मेलन नीमच जिला शाखा अध्यक्ष श्री जे .सी . गुजेटिया की अध्यक्षता में आयोजित हुआ उक्त सम्मेलन में मुख्य अतिथि एन .पी. सिंह परिहार प्रांतीय अध्यक्ष पुलिस विभाग, भारत पेंशन समाज के प्रांतीय महासचिव श्रीसी. के. विश्नोई मंदसौर, पूर्व तहसीलदार रूपनारायण जोशी मंदसौर ,तहसील शाखा के वरिष्ठ संरक्षक एवं साहित्यकार डॉ. पूरन सहगल मंचासीन थे।

तहसील अध्यक्ष देवीलाल शर्मा द्वारा स्वागत भाषण एवं वर्षभर गतिविधियों की जानकारी दी गई उपरोक्त सम्मान समारोह मे प्रमुख मांग मध्य प्रदेश पुनर्गठन की धारा 49(6) को विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर शीघ्र ही हटाए जाने के शासन से मांग की गई। डॉ पूरन सहगल ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिना संघर्ष के, बिना एकता के कुछ भी हासिल करना संभव नहीं है। पुलिस विभाग के प्रांतीय अध्यक्ष एन .पी .परिहार ने कहा कि मध्य प्रदेश की पुनर्गठन धारा 49 (6)को हटाए जाने के लिए शासन को तीन माह का समय दिया जाएगा अगर 3 माह में निराकरण नहीं हुआ तो बडे आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर भोपाल में धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होना पडेगा । महासचिव सी. के. विश्नोई द्वारा प्रांतीय लेवल पर जो गतिविधियां चल रही है उनकी जानकारी दी गई। पूर्व तहसीलदार रूपनारायण जोशी ने बताया कि वरिष्ठ पेंशनर अगर पेंशन लेने बैंक शाखा में जाने के लिए असमर्थ है तो उन्हें पेंशन बैंक के द्वारा घर पर पेंशन दिए जाने का शासन का नियम है की जानकारी दी गई। उपरोक्त सम्मान समारोह में जिन्होंने 75 वर्ष पूर्ण किए उन 10 सदस्यों का साल एवं श्री फल से सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश गहलोत एवं सरस्वती वंदना भगत राम चंदेल द्वारा की गई। आभार प्रदर्शन तहसील शाखा के सचिव हरिनारायण नंदवाना द्वारा किया गया एवं कोषाध्यक्ष कैलाश चंद्र कुमावत द्वारा आय- व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया अंत मे 1 वर्ष में दिवंगत हुए सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई व राष्ट्रगीत के साथ समारोह का समापन किया। समापन के बाद सभी अतिथियों एवं सदस्यों का सहभोज का आयोजन रखा गया।

❊ शोक सूचना ❊

श्री शरदगिरी, श्री योगेंद्र गिरी, श्री शैलेंद्रगिरी (पार्षद प्रतिनिधि) और श्री भूपेंद्रगिरी (ओखा बाऊजी चंद्रपुरा) मंदसौर की पूज्य माताजी हेमलता बाई गोस्वामी का आकस्मिक निधन हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा 1 जनवरी सोमवार को सुबह 11 बजे चंद्रपुरा स्थित ओखा बावजी मंदिर परिसर से निकलेगी।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
समस्त गोस्वामी परिवार चंद्रपुरा मंदसौर

डॉ. यादव के मंत्रिमंडल में... पेज 1 से जारी

चाहिए, यदि आने वाले समय में इस जमावट में कुछ बदलाव होते दिख जाएं। वैसे ऐसा होने की कम संभावना है, क्योंकि इस बार मुख्यमंत्री के चयन से लेकर मंत्रिमंडल के गठन तक में पार्टी ने चौंकाने वाले सख्त निर्णयों की बात ही स्थापित की है। वैसे भी कम से कम लोकसभा चुनाव तक तो ऐसे बड़े परिवर्तन होने की कोई सूरत नहीं है और यह दिखाता है कि इस बार केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार अपनी किसी भी उम्मीद को पटरी से उतरने की आशंका के समूल निर्मूलन वाली नीति के साथ आगे बढ़ रही है। मंत्रिमंडल में खास चेहरों के बीच अहं के टकराव को थामने के लिए जिस तरह विभागों का संतुलन स्थापित किया गया है, वह भी उल्लेखनीय है। रही बात किसी किस्म के असंतोष की, तो इसका भी इंतजाम पहले ही कर दिया गया है। मंत्री पद और भारी-भरकम विभाग को अपनी जागीर मानने वाले कई चेहरे विधायक बनने के बाद भी डॉ. यादव की कैबिनेट में जगह नहीं बना सके हैं। अब भले ही एक आंकड़े के बाद मंत्रियों की संख्या बढ़ाने में संवैधानिक दिक्कत हो, लेकिन इस संख्या को कम करने पर किसी की रोक नहीं है और जिन तेवर के साथ डॉ. यादव की सरकार फैसले लेकर आगे बढ़ रही है। उनमें यह भी निहित है कि राज्य की वर्तमान व्यवस्था किसी को ढोने की विवशता से स्वयं को पूरी तरह मुक्त कर चुकी है और उसने यह संदेश भी दे दिया है कि पार्टी से बढ़कर कोई नहीं और खुद को दल से बड़ा मानने वालों के लिए कोई ठौर नहीं।

यशपाल जीत भी जाते तब भी... पेज 1 से जारी

अध्यक्ष बनाकर मंत्री पद और विभाग की होड़ और दौड़ से पहले ही बाहर कर दिया गया था। कैलाश विजयवर्गीय उस विभाग के मंत्री बनाए हैं। शहरी विकास विभाग के मंत्री, इस विभाग का ही 20 साल पहले उन्हें उमा भारती के मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया था। यानी कैलाश विजयवर्गीय जहां 20 साल पहले थे, आज भी वही खड़े है।

प्रहलाद पटेल को ग्रामीण विकास मंत्रालय देकर असंतुष्ट किया गया है। असंतुष्ट इसलिए क्योंकि उन्हें कम से कम ग्रह या वित्त मंत्रालय की तो उम्मीद होगी ही जो व्यक्ति सीएम पद का प्रबल दावेदार हो उन्हें महज पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्रालय देना कहीं ना कहीं उन्हें भी उनकी हदों में ही बांधे रखने जैसा है। जहां तक मंदसौर संसदीय क्षेत्र और जिले का प्रश्न है तो श्री जगदीश देवड़ा सर्वशक्तिमान नेता बन गए हैं। उन्हें वित्त , वाणिज्य कर जैसे महत्वपूर्ण विभाग फिर से दिए गए हैं। संसदीय क्षेत्र से ओमप्रकाश सकलेचा और हरदीप सिंह डंग की मंत्रिमंडल से छुट्टी कर दी गई है। राजेंद्र पांडे के मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चा भी खूब चल रही थी, किंतु वे भी बाहर ही रखे गए हैं। चंदरसिंह सिसोदिया, माधव मारू और दिलीप सिंह परिहार के तो नामों तक पर विचार ही नहीं हुआ। राजनीतिक विश्लेषकों का तो यह भी कहना है कि यशपाल सिंह सिसोदिया के लिए भले ही पहले यह कहा जाता रहा हो कि यदि वह जीत गए और भाजपा की सरकार बनी तो निश्चित रूप से मंत्री बनेंगे। लेकिन, जिस तरह का पैटर्न भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपना रखा है। उसे देखते हुए तो यही लगता है कि कदाचित यशपाल सिंह सिसोदिया चुनाव जीत भी जाते, तब भी वह मंत्री नहीं बनाए जाते। अब देखना है नए साल के साथ यह नई सरकार, ये नए मंत्री और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का यह नया पैटर्न कितना असर दिखाता है। यह प्रयोग किस हद तक सफल रहता है। यह देखना सभी के लिए उत्सुकता रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in